अभियान का उद्देश्य

- अभियान के द्वारा राष्ट्ररक्षार्थ सजग तथा शारीरिक, मानसिक,बौद्धिक स्तर पर पूर्णत: सुसज्ज युवा प्रहरियों की टोली पूरे प्रांत में तैयार करने का नियोजन ।
- भविष्य में ये युवा जीवन के हर क्षेत्र मे चरित्रवान नेतृत्व प्रदान करेगें ।
- युवाओं में स्वंय का बहुआयामी व्यक्ति के रूप मे विकसित करने हेतु चरित्र निर्माण की प्रेरणा जागृत करना ।
- युवा पीढ़ी मे संगठनात्मक कौशल को विकसित करना जिसकी वर्तमान संचार–प्रोघोगिकी (I.T) युग में नितांत आवश्यकता है ।
- स्वामी विवेकानन्द के आत्मविश्वास व देशभक्ति से ओत–प्रोत साहित्य से युवाओं का सम्पर्क करना ।
- भारत के सांस्कृतिक वैभव का युवाओं को परिचय प्रदान कर उनमें राष्ट्रीयता, एकात्मता व सेवा का संस्कार करना ।
- वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप समाज के सभी क्षेत्रों मे प्रतिभावान् युवा नेतृत्व का अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं संगठन करना ।
- भारत को सभी क्षेत्रों मे विश्व –नेता के रूप में प्रतिष्ठित करने में योगदान देने की ध्येयदृष्टि युवाओं में विकसित करना ।